बिहार की प्रमुख नदियाँ
(Important Rivers of Bihar)

बिहार की प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल उत्तर में हिमालय पर्वत में एवं दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार है। बिहार की सबसे महत्वपूर्ण नदी गंगा है जो लगभग बिहार के मध्य भाग से गुजरती है तथा बिहार को दो भागों में विभाजित करती है। उत्तरी बिहार की नदियाँ हिमालय पर्वत से निकलती है तथा सदावाहिनी है, जबकि दक्षिणी बिहार की नदियाँ दक्षिण के पठार से निकली हैं, इनमें से अधिकतर नदियाँ मौसमी है जो वर्षाकाल में ही प्रवाहित होती हैं। अतः बिहार की नदियों को दो वर्गों में बाँट कर अध्ययन किया जाता है —

1. उत्तरी बिहार की नदियाँ 2. दक्षिणी बिहार की नदियाँ

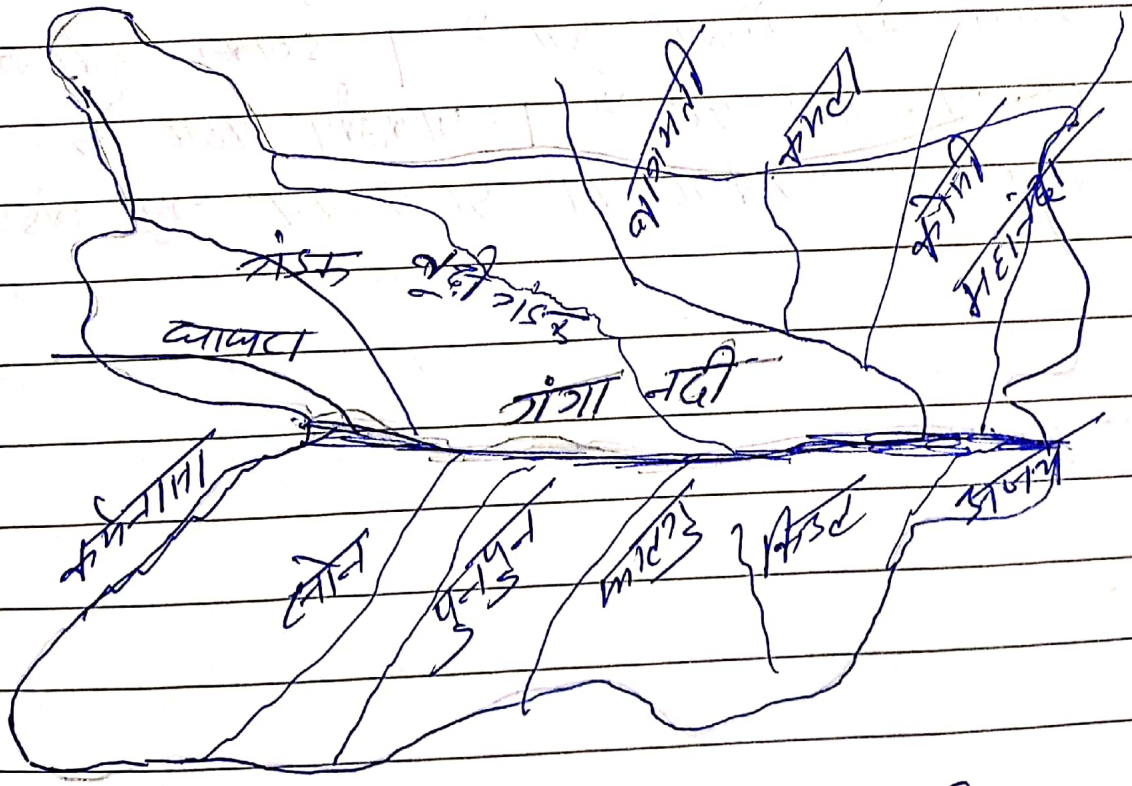

बिहार की प्रमुख नदियाँ

Scanned with CamScanner

1. उत्तरी बिहार की प्रमुख नदियाँ निम्नलिखित हैं —

(i) गंगा (Ganga) — गंगा नदी बिहार की प्रमुख नदी है। उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा एवं भागीरथी नदियों के मिलने के बाद गंगा कहलाती है। गंगा नदी बिहार में पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुई झारखंड पश्चिम बंगाल और अंत में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है। इसकी कुल लंबाई 2525 कि॰ मी॰ है, जबकि बिहार में इसकी लंबाई 445 कि॰ मी॰ है। बिहार में इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ कोसी, कमला, महानंदा, बागमती, गंडक, घाघरा, सोन, बूढ़ी गंडक, पुनपुन, कर्मनाशा, किउल एवं अजय हैं।

(ii) घाघरा (Ghaghara) — घाघरा नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट मापचाचुंगो हिमानी से हुआ है। इसे सरयू नदी भी कहा जाता है। इसकी कुल लंबाई 1080 कि॰ मी॰ है, जबकि बिहार में इसकी लंबाई लगभग 83 कि॰ मी॰ है। यह बिहार के गोपालगंज में प्रवेश करती है। सीवान और सारण को पार कर छपरा के पास गंगा नदी से मिल जाती है।

(iii) गंडक (Gandak) — गंडक नदी वाल्मीकि नगर पश्चिमी चंपारण से बिहार राज्य में प्रवेश करती है और हाजीपुर के निकट गंगा नदी से मिलती है। इसकी कुल लंबाई 1310 कि॰ मी॰ है, जबकि बिहार में इसकी लंबाई 630 कि॰ मी॰ के लगभग है।

(iv) बूढ़ी गंडक — यह नदी पश्चिमी चंपारण में त्रिवेणी की पहाड़ियों से निकलती है और पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय जिले से प्रवाहित होती हुई

Scanned with CamScanner

खगड़िया के निकट गंगा नदी से मिलती है। इसकी कुल लंबाई 320 कि.मी. है।

(v) कोसी (Kosi) – कोसी नदी उत्तरी बिहार की प्रमुख नदी है। यह नदी नेपाल और तिब्बत सीमा पर स्थित गोसाई थान चोटी से निकलती है। इसकी कुल लंबाई 730 किमी है जबकि बिहार में इसकी लंबाई 260 किमी है। यह नदी सुपौल जिले के भीमनगर के निकट बिहार में प्रवेश करती है और सुपौल पूर्णिया कटिहार में प्रवाहित होते हुए कुरसैली के पास गंगा में मिलने से पूर्व डेल्टा का निर्माण करती है।

(vi) बागमती (Bagmati) – बागमती नदी का उद्गम नेपाल में स्थित हिमालय की महाभारत श्रेणी से होता है। यह बिहार में सीतामढ़ी जिले में प्रवेश करती है। यह बिहार में 394 कि.मी. बहती हुई मुजफ्फरपुर दरभंगा तथा समस्तीपुर से गुजरती है।

(vii) कमला (Kamala) – यह नदी नेपाल की महाभारत श्रेणी से निकलकर तराई क्षेत्र में प्रवाहित होती है तथा मधुबनी जिले के जयनगर में बिहार में प्रवेश करती है। यह बिहार में 120 किमी. बहती है।

(viii) महानंदा (Mahananda) — यह नदी कई जगहों पर बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा बनाते हुए प्रवाहित होती है। यह नदी दार्जिलिंग से निकलती है तथा बिहार में किशनगंज में प्रवेश करती है। यह पूर्णिया एवं कटिहार जिलों में प्रवाहित होती हुई पश्चिम बंगाल में प्रवेश करती है तथा गंगा से मिल जाती है। इसकी कुल लंबाई

लगभग 360 किमी. है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ मेची, कोंकई आदि प्रमुख है।

2. दक्षिणी बिहार की नदियाँ —
दक्षिणी बिहार की प्रमुख नदियाँ निम्नलिखित है।

(i) कर्मनाशा — कर्मनाशा का अर्थ होता है कर्म का नाश करने वाला। हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार इस नदी को अपवित्र माना गया है। इसका उद्गम कैमूर जिले से होता है। यह नदी बिहार के बक्सर जिला के चौसा के निकट गंगा से मिलती है। इस नदी की कुल लंबाई लगभग 192 किमी. है। यह नदी बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा भी बनाती है।

(ii) सोन — सोन नदी दक्षिण बिहार की प्रमुख नदी है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से होता है। यह नदी रोहतास जिले में प्रवेश करती है तथा बिहार में 202 किमी. बहती है। सोन की प्रमुख सहायक नदियाँ गोपद, रिहंद, कन्हर तथा उत्तरी कोयल है। सोन नदी पर दक्षिण-पश्चिम बिहार की सबसे प्रमुख सिंचाई परियोजना निर्मित है। इस नदी पर प्रथम बाँध 1873-74 में बनवाया गया था।

(iii) पुनपुन (Punpun) — यह नदी बिहार के औरंगाबाद, अरवल तथा पटना जिलों में गंगा के समांतर प्रवाहित होती हुई फतुहा के निकट गंगा से मिल जाती है। इसकी प्रमुख नदियाँ दरधा, मादर, बिलारो, रामरेखा, आद्री, धोबा, मोरहर आदि है।

(iv) फल्गु (Phalgu) – फल्गु नदी छोटा नागपुर के पठार से कई धाराओं के रूप में निकलती है। इसकी मुख्य धारा निरंजना कहलाती है। बोधगया के पास इसमें मोहाने नामक नदी मिलती है। मोहाने के मिलने के बाद ही इसे फल्गु नदी के नाम से जाना जाता है। ये सभी मौसमी नदियाँ हैं।

(v) किउल (Kiul) – इसका उद्गम स्थल छोटानागपुर की पारसनाथ की पहाड़ियों से होता है। यह जमुई जिले में बिहार में प्रवेश करती है तथा लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा के पास गंगा नदी से मिलती है।

(vi) सकरी (Sakari) – यह नदी उत्तरी छोटानागपुर के हजारीबाग पठारी क्षेत्र से निकलती है। यह नवादा जिला स्थित गोविंदपुर के निकट बिहार में प्रवेश करती है तथा बिहार के गया, नवादा, पटना एवं मुंगेर जिलों में बहने के बाद किउल के निकट गंगा नदी से मिल जाती है। इसकी कुल लंबाई 65 किमी. है।

(vii) अजय नदी – यह नदी बिहार के जमुई से निकलकर पूर्व एवं दक्षिण दिशा की ओर प्रवाहित होती हुई पश्चिम बंगाल में प्रवेश करती है। बिहार में इसकी कुल लंबाई 202 किमी. है।

(viii) चानन नदी (Chanan River) – यह नदी पाँच धाराओं से मिलकर बनी है इसलिए इस नदी का नाम पंचानन भी है, ये धाराएँ राजगीर पहाड़ी के समीप के कारण नालंदा जिले के गिरियक के पास एक धारा में प्रवाहित होती है।